मुख्यमंत्री ने सांगानेर को दी 631 करोड़ रु. के 1538 विकास कार्यों की सौगात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 4 जुलाई को जयपुर मेट्रो फेज-2 परियोजना का शिलान्यास करेंगे : भजनलाल शर्मा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशभर में बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ नागरिक सेवाओं के विस्तार पर प्राथमिकता से कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना और आमजन को बेहतर जीवन सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री बुधवार को सांगानेर स्टेडियम में आयोजित लगभग 631 करोड़ रुपये की लागत के 1538 विकास कार्यों के लोकार्पण, शिलान्यास एवं पट्टा वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों से सड़क, पेयजल, सीवरेज, स्वास्थ्य और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विस्तार और उन्नयन होगा, जिससे क्षेत्र के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिल सकेंगी।

मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 4 जुलाई को जयपुर मेट्रो फेज-2 परियोजना का शिलान्यास करेंगे। उन्होंने बताया कि 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली यह महत्वाकांक्षी परियोजना प्रहलादपुरा से पिंजरापोल गौशाला तक विकसित की जाएगी, जिसके कार्यादेश भी जारी किए जा चुके है। उन्होंने कहा कि मेट्रो फेज-2 परियोजना से राजधानी जयपुर की यातायात व्यवस्था अधिक सुगम होगी, यात्रा समय में कमी आएगी और शहर के समग्र शहरी विकास को नई गति मिलेगी। यह परियोजना भविष्य की बढ़ती आबादी और यातायात की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को सांगानेर स्टेडियम में 631 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

- जयपुर-भीलवाड़ा रोड स्थित मुहाना मोड जंक्शन पर 124 करोड़ रुपये की लागत से फ्लाईओवर बनेगा
- बंबाला क्षेत्र में 88 करोड़ रुपये से अधिक लागत से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), पृथ्वीराज नगर में सैटेलाइट अस्पताल तथा भांकरोटा में ट्रॉमा सेंटर निर्माण की नींव रखी
- राजधानी की संकरी गलियों में सफाई के लिए 5 अत्याधुनिक ''मैकेनिकल लिटर पिकर मशीनें'' जयपुर नगर निगम को सौंपी

मुख्यमंत्री ने बताया कि जयपुर-भीलवाड़ा रोड स्थित मुहाना मोड जंक्शन पर 124 करोड़ रुपये की लागत से फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा।

इसके अलावा बंबाला क्षेत्र में 88 करोड़ रुपये से अधिक लागत से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), पृथ्वीराज नगर में सैटेलाइट अस्पताल तथा भांकरोटा में ट्रॉमा सेंटर निर्माण की आधारशिला रखी गई। सांगानेर के 115 मंदिरों के सौंदर्यीकरण एवं जीर्णोद्धार कार्य का भी शुभारंभ किया गया है। इसके अलावा यूनिटी मॉल, रिद्धि-सिद्धि फ्लाईओवर, सांगानेर एलिवेटेड रोड और द्रव्यवती नदी विकास जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं भी प्रगति पर हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में पहली बार जयपुर नगर निगम के लिए पांच अत्याधुनिक मैकेनिकल लिटर पिकर मशीनें लाई गई हैं। ये मशीनें फुटपाथों, संकरी गलियों और ट्रांसफॉर्मरों के नीचे जमा कचरे को भी प्रभावी ढंग से साफ करने में सक्षम होंगी।

समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने सीवरेज सफाई के लिए सुपर सकर मशीन और स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 के प्रति जनजागरूकता के लिए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही, सफाई सेवा मैराथन के विजेताओं को चेक भी वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों को स्वामित्व कार्ड वितरित करते हुए कहा कि स्वामित्व योजना ड्रोन तकनीक के माध्यम से गांवों की आवासीय भूमि का सीमांकन कर ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का कानूनी स्वामित्व प्रदान करने में बेहद उपयोगी साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 8 हजार से अधिक गांवों का ड्रोन सर्वेक्षण कर लगभग 14 लाख स्वामित्व कार्ड जारी किए जा चुके हैं। समारोह में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, सांसद मंजू शर्मा, विभिन्न जनप्रतिनिधि, अधिकारी तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

पशुपालन मंत्री ने ब्यावर से किया लम्पी टीकाकरण अभियान का आगाज

पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने गोवंश को लम्पी स्किन डिजीज से सुरक्षित रखने के लिए राज्य स्तरीय टीकाकरण अभियान का बुधवार को ब्यावर में शुभारम्भ किया।

जयपुर। पशुपालन, डेयरी एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने गोवंश को लम्पी स्किन डिजीज (एलएसडी) से सुरक्षित रखने हेतु राज्य स्तरीय टीकाकरण अभियान का बुधवार को ब्यावर से शुभारम्भ किया।

कुमावत ने श्री तिजारती सर्राफान चैम्बर गौशाला, ब्यावर में गोवंश को टीके लगवाए। कार्यक्रम के दौरान पशुपालन विभाग के 11 पशु परिचर, 38 पशुधन निरीक्षक, 16 पशु चिकित्सा अधिकारियों ने गौशाला में मौजूद 773 गोवंशीय पशुओं (272 नर एवं 501 मादा) का टीकाकरण किया । कुमावत ने लम्पी रोग से बचाव के लिए टीकाकरण को अत्यंत आवश्यक बताया। उन्होंने उपस्थित पशुपालकों को राज्य सरकार द्वारा पशुधन संरक्षण एवं पशुपालकों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि दो वर्ष पूर्व लम्पी रोग के लिए पृथक वैक्सीन उपलब्ध नहीं होने के कारण गोट पॉक्स वैक्सीन का उपयोग किया गया था, जिससे पशुओं में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित हुई। अब लम्पी रोग के लिए विशेष वैक्सीन उपलब्ध होने से अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। राज्य में वर्ष 2025-26 के दौरान

- सरकार ने इस वर्ष 111.51 लाख पशुओं के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया

108.95 लाख गोवंशीय पशुओं का टीकाकरण किया गया था। वर्ष 2026-27 के लिए 111.51 लाख पशुओं के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। ब्यावर जिले में वर्ष 2026-27 के दौरान 1 लाख 23 हजार 936 गोवंशीय पशुओं के टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के अंतर्गत होमोलॉगस रांची स्ट्रेन लाइव एटेन्यूएटेड वैक्सीन का उपयोग किया जा रहा है।

ब्यावर विधायक शंकर सिंह रावत ने कहा कि लम्पी स्किन डिजीज टीकाकरण अभियान के राज्य स्तरीय शुभारंभ का ब्यावर से होना जिले के लिए गौरव और सौभाग्य की बात है। राज्य सरकार के लिए भारत माता, धरती माता और गौ माता की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। रावत ने गौसेवा को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्र में नई गौशालाओं के संचालन एवं विस्तार की आवश्यकता पर बल देते हुए अपनी मांग रखी, जिस पर श्री कुमावत ने सकारात्मक रेस्पोंस दिया।

पशुपालन निदेशक डॉ. सुरेश चन्द मीणा ने कहा कि विभाग राज्य सरकार की मंशानुसार सभी योजनाओं को प्रभावी रूप से धरातल तक पहुंचाने तथा विभागीय लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति के लिए प्रतिबद्ध है।

अतिरिक्त निदेशक (क्षेत्र), पशुपालन विभाग अजमेर डॉ. नवीन परिहार ने बताया कि एलएसडी एक संक्रामक वायरल रोग है, जो मुख्य रूप से गोवंशीय पशुओं को प्रभावित करता है। अजमेर संभाग की समस्त गौशालाओं में गौवंश का प्राथमिकता से टीकाकरण सुनिश्चित करने हेतु सभी जिला संयुक्त निदेशकों एवं उपनिदेशकों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

कार्यक्रम के उपरांत गौशाला परिसर में अतिथियों द्वारा पौधारोपण किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में पूर्व सभापति नरेश कनोजिया, अतिरिक्त कलक्टर ब्रह्मलाल जाट, पशुपालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, गौशाला अध्यक्ष, गौशाला संचालक, गोसेवक, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राजसमंद-सिरोही में फार्मर रजिस्ट्री आधारित उर्वरक वितरण प्रणाली होगी लागू

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार के कृषि एवं कृषक कल्याण तथा उर्वरक विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार एग्रीस्टेक योजना के अंतर्गत जारी फार्मर रजिस्ट्री का उपयोग करते हुए राष्ट्रीय उर्वरक तंत्र के तहत फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल्स लागू किया जा रहा है।

- अनुदानित उर्वरकों के वितरण में बढ़ेगी पारदर्शिता, किसानों को मिलेगा सीधा लाभ
- प्रदेश में 86.66 लाख किसानों की फार्मर आईडी बनाई जा चुकी है, इस कार्य में राजस्थान देश के अग्रिणी राज्यों में शामिल : कृषि आयुक्त

कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने बताया कि भारत सरकार द्वारा उर्वरकों पर भारी सब्सिडी प्रदान की जाती है। अनुदानित उर्वरकों का गैर कृषि कार्यों में उपयोग, कालाबाजारी, जमाखोरी आदि आपराधिक कृत्यों को रोकने के लिए इस अभिनव पहल को राजस्थान में प्रथम चरण में सिरोही एवं राजसमंद जिलों में पायलट परियोजना के रूप में 25 जून से लागू किया जा रहा है। इस प्रणाली के माध्यम से किसानों को अनुदानित उर्वरकों का वितरण अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं डिजिटल माध्यम से सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री आधारित एफएफएस प्रणाली लागू होने से वास्तविक किसानों की पहचान सुनिश्चित होगी तथा उर्वरकों के वितरण एवं उपयोग की निगरानी और अधिक सुदृढ़ हो सकेगी। इससे उर्वरकों की उपलब्धता, वितरण और स्टॉक प्रबंधन में पारदर्शिता आएगी तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा।

इस प्रणाली से कृषक स्वयं घर बैठे ही या नजदीकी ई मित्र पर जा कर अनुदानित उर्वरकों की बूकिंग कर टोकन जनरेट कर सकेंगे। यह टोकन अधिकतम 48 घंटे तक वैलिड रहेगा, जिसके बाद इसे दुबारा से बुक करना होगा। टोकन जनरेट होने के बाद कृषक नजदीकी उर्वरक डीलर से अनुदानित उर्वरक ले सकेंगे।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में 86.66 लाख किसानों की फार्मर आईडी बनाई जा चुकी है। फार्मर आईडी बनाने में राजस्थान देश के अग्रिणी राज्यों में शामिल है। इस पहल के सफल क्रियान्वयन हेतु चयनित जिलों में आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

इसके तहत ब्लॉक एवं ग्रामवार कार्यरत खुदरा उर्वरक विक्रेताओं की जानकारी का एलजीडी कोड सहित पोर्टल पर अद्यतनकरण, पोर्टल पर लंबित उर्वरक प्राधिकार पत्रों को अपडेट करना, मास्टर ट्रेनर्स की पहचान, प्रचार-प्रसार सामग्री तैयार करना तथा उर्वरक विक्रेताओं को प्रशिक्षण प्रदान करने जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।इसके साथ ही चयनित जिलों में उर्वरकों के स्टॉक एवं उपलब्धता की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी तथा भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों की प्रभावी पालना सुनिश्चित की जाएगी। कृषि आयुक्त ने कहा कि यह पहल कृषि क्षेत्र में डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।इससे किसानों को समय पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी तथा सरकारी अनुदान का लाभ वास्तविक पात्र किसानों तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त प्रथम राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:-1561 जाहिर आम सूचना दि:- 24.06.2026

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर योजना जयपुर में मण्डल द्वारा अवाप्त भूमि के बदले मुआवजा स्वरूप 15 प्रतिशत आवासीय विकसित भूखण्ड संख्या 112/SP-18 क्षेत्रफल 237.90 वर्गमीटर का आवंटन का खातेदार श्रीमती मीना जैन पत्नी श्री एन.के. जैन को किया गया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 0859 दिनांक 02.12.1998 को जारी किया गया था। श्रीमती मीना जैन द्वारा श्रीमती गीता मीणा पत्नी श्री बालमुकुन्द मीणा को दिनांक 09.01.2001 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्रीमती गीता मीणा द्वारा उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड का विक्रय श्री अभिषेक कोपड़ पुत्र श्री बालमुकन्द मीणा को दिनांक 27.10.2014 को जरिय विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया गया। क्रेती श्री अभिषेक कोपड़ पुत्र श्री बालमुकन्द मीणा द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड अपने नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड के नाम दर्ज करने बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए कि मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री अभिषेक कोपड़ पुत्र श्री बालमुकन्द मीणा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

भवदीय,
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

आम जाहीर सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 3/73 बनास विहार आवासीय योजना टोंक क्षेत्रफल 42.187 वर्गमीटर का आवंटन मूलतः श्रीमति नीलिमा पत्नी श्री रमेश सिंह आमेरा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 199 दिनांक 29.06.1996 जारी किया गया था। श्रीमति नीलिमा पत्नी श्री रमेश सिंह आमेरा द्वारा आवास का बेचान जरिये इकरारनामा, मुख्त्यारनामा व वसीयतनामा के श्री गोपाल राम पुत्र श्री गणेश राम जाट को किया गया। मण्डल के पत्र क्रमांक 436/1912 दिनांक 14.03.2013 के द्वारा नियमितिकरण पत्र व अदेय प्रमाण पत्र श्री गोपाल राम पुत्र श्री गणेशराम जाट के पक्ष में जारी किया गया। श्री गोपाल राम पुत्र श्री गणेश राम जाट द्वारा पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक टोंक में दिनांक 11.09.2013 को करवाया गया। श्री गोपाल राम पुत्र श्री गणेश राम जाट द्वारा उक्त आवास का बेचान जरिये विक्रय पत्र के श्री रवि कुमार कृष्णानानी पुत्र श्री भगवान दास को किया गया। श्री रवि कुमार कृष्णानानी पुत्र श्री भगवान दास कृष्णानानी द्वारा पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक टोंक में दिनांक 11.09.2013 को करवाया गया। श्री रवि कुमार कृष्णानानी पुत्र श्री भगवान दास कृष्णानानी द्वारा उक्त आवास का बेचान जरिये विक्रय पत्र के श्रीमति सुनीता बाला पत्नी श्री शिवराज बैरवा द्वारा पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक टोंक में दिनांक 23.09.2020 को करवाया गया। श्रीमति सुनीता बाला पत्नी श्री शिवराज बैरवा द्वारा नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने हेतु मण्डल नियमानुसार वांछित दस्तावेज यथा आवेदन पत्र मय प्रशासनिक शुल्क जमा चालान रसीद, शपथ पत्र, स्वयं, व गवाहान के पहचान संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत कर आवास संख्या 3/73 बनास विहार आवासीय योजना टोंक का स्थानान्तरण / हस्तानान्तरण अपने पक्ष में करने हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त हस्तानान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति /बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में व्यक्तिगत रूप में उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर आवेदिक श्रीमति सुनीता बाला पत्नी श्री शिवराज बैरवा के पक्ष में उक्त आवास के स्थानान्तरण / हस्तानान्तरण की कार्यवाही कर दी जायेगी।

आवासीय अभियन्ता, खण्ड-13, जयपुर

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

देवनानी ने लेह लद्दाक में प्रथम सिंधु कुंभ में पूजा-अर्चना

जयपुर । लेह-लद्दाख में आयोजित प्रथम सिंधु कुंभ राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समरसता और आध्यात्मिक चेतना का विराट मंच बनकर उभरा। देशभर के लगभग 20 राज्यों से आए 3500 से अधिक श्रद्धालुओं, संत-महात्माओं और सामाजिक प्रतिनिधियों की सहभागिता से सिंधु नदी का तट 'लघु भारत' का जीवंत प्रतिबिंब नजर आया। राजस्थान से भी करीब 500 श्रद्धालु इस ऐतिहासिक आयोजन में शामिल होने लेह-लद्दाख पहुंचे।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पवित्र सिंधु घाट पर मां सिंधु नदी और भगवान झूलेलाल की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर देश, प्रदेश और समाज की सुख-समृद्धि, शांति एवं प्रगति की कामना की। देवनानी ने कहा कि सिंधु नदी केवल एक जलधारा नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता की अमर प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सिंधु तट का संबंध वेदों और उपनिषदों की रचना से रहा है और भारतीय ज्ञान परंपरा के विकास में इस क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान है। भगवान झूलेलाल का अवतरण भी इसी पवित्र नदी के तट पर हुआ, जिन्होंने मानवता, प्रेम, सद्भाव, सेवा, जल संरक्षण और लोककल्याण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सिंधु तट पर श्रद्धा, संस्कृति और राष्ट्रीय एकता का जो अद्भुत संगम दिखाई देता है, वह भारत की सनातन परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का सशक्त परिचायक है। सिंधु नदी का यह पावन तट अब भारतीय सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता के साथ-साथ आध्यात्मिक दृष्टि से देश के पांचवें धाम के रूप में विकसित होता जा रहा है। बुधवार को आयोजित प्रथम सिंधु कुंभ में देशभर से जुटे हजारों श्रद्धालुओं ने भारत की विविधता में एकता की भावना को साकार किया। विभिन्न भाषाओं, परंपराओं और संस्कृतियों से जुड़े लोग एक ही मंच पर एक सूत्र में बंधे नजर आए।

आयोजन में जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक इन्द्रेश कुमार, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंदर गुप्ता, त्रिपुरा विधानसभा अध्यक्ष रामपदा जमातिया सहित विभिन्न क्षेत्रों के अनेक विशिष्टजन उपस्थित रहे।

''लोकतंत्र की हत्या का काला अध्याय'' विषय पर भाजपा की संगोष्ठी आज

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी की ओर से 25 जून को ''लोकतंत्र की हत्या का काला अध्याय'' विषय पर एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने बताया कि कार्यक्रम गुरुवार प्रातः 10 बजे दुर्गापुरा स्थित कृषि अनुसंधान केंद्र के सभागार में आयोजित होगा। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उपस्थित रहेंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ करेंगे। 25 जून भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक ऐसा दिन है, जिसे देश कभी नहीं भूल सकता। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने देश में आपातकाल लागू कर लोकतांत्रिक संस्थाओं, संविधान प्रदत्त अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दमन किया गया था। लाखों लोकतंत्र सेनानियों, विपक्षी नेताओं, पत्रकारों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेलों में बंद किया गया तथा प्रेस पर सेंसरशिप लगाकर नागरिक स्वतंत्रताओं को कुचलने का प्रयास किया गया।

पावरग्रिड
POWERGRID

सूचना

1. ऊपर बताए गए याचिकाकर्ता ने सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन, नई दिल्ली के सामने **याचिका-1** (उत्तरी क्षेत्र में 400 केवी ट्रांसमिशन लाइनों पर रिएक्टिव पावर कम्पेनसेशन) के लिए 2024-29 टैरिफ ब्लॉक के ट्रांसमिशन टैरिफ तय करने के लिए एक याचिका दायर की है।
2. ट्रांसमिशन सिस्टम से फायदा उठाने वाले ये हैं: (क) अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (ख) जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (ग) जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (घ) पंजाब स्टेट इलेक्ट्रिसिटी कॉर्पोरेशन लिमिटेड ङ.) हरियाणा पावर परचेज़ सेंटर (च) जम्मू-कश्मीर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (झ) उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ञ) बीएसइएस यमुना पावर लिमिटेड (ट) बीएसइएस राजधानी पावर लिमिटेड (ठ) टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (ड) चंडीगढ़ इलेक्ट्रिसिटी डिपार्टमेंट (ढ) उत्तरांचल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ण) नॉर्थ सेंट्रल रेलवे (त) नई दिल्ली म्युनिसिपल काउंसिल (थ) हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड (द) सेंट्रल ट्रांसमिशन यूटिलिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (ध) एचवीपीएनएल

विवरण	
व्यावसायिक संचालन की निर्धारित तिथि	13.01.2024
व्यावसायिक संचालन की वास्तविक तिथि	30.06.2025 (परिसंपत्ति-1)
	22.10.2025 (परिसंपत्ति-2)
	20.03.2026 (परिसंपत्ति-3)
	25.04.2026 (परिसंपत्ति-4)
पूरा होने की अनुमानित लागत (लाख रुपये में)	83.92 करोड़

3. 2024-29 ब्लॉक के लिए टैरिफ का विवरण: (लाख रुपये में)

परिसंपत्ति	2024-25	2025-26	2026-27	2027-28	2028-29
परिसंपत्ति-1	-	105.38	224.58	229.80	229.85
परिसंपत्ति-2	-	55.49	158.07	201.04	215.78
परिसंपत्ति-3	-	16.54	534.45	581.12	596.97
परिसंपत्ति-4	-	-	277.45	338.26	357.19

4. टैरिफ के निर्धारण हेतु दायर याचिका की एक प्रति वेबसाइट **www.powergrid.in** पर उपलब्ध है।
5. याचिका में निहित टैरिफ निर्धारण के प्रस्तावों पर यदि किसी व्यक्ति, जिसमें लाभार्थी भी शामिल हैं, को कोई सुझाव अथवा आपत्तियाँ प्रस्तुत करनी हों, तो वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के भीतर आयोग के ई-पोर्टल के माध्यम से, उसकी एक प्रति याचिकाकर्ता को प्रेषित करते हुए, दाखिल कर सकते हैं।

स्थानः गुरूग्राम
दिनांकः 25.06.2026

हस्ता./-
वरिष्ठ महाप्रबंधक (वाणिज्यिक-सीसी)

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
पंजीकृत कार्यालयः बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016
केन्द्रीय कार्यालयः ''सौदामिनी'', प्लॉट नं.-2, सैक्टर-29, गुरूग्राम, हरियाणा-122001
वेबसाइटः www.powergrid.in, सीआईएनः L40101DL1989GOI038121
एक महारत्न उद्यम

PG/CC/Notice-28/Advt-32/2026-27 Centum